सरपंचों का महापड़ाव स्थगित, लेकिन आंदोलन जारी, एक गुट बैठा धरने पर

सरकार ने कुछ मांगों पर सहमति दी, कुछ पर होगा विचार

जयपुर, (का.प्र.)। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा के मनरेगा कार्यों में अनियमितता के आरोपों से नाराज सरपंचों का महापड़ाव रविवार को स्थगित हो गया, हालांकि आंदोलन अभी जारी रहेगा। दरअसल सरपंचों के एक गुट ने महापड़ाव स्थगित करने का ऐलान कर दिया है, लेकिन इसी में शामिल कुछ सरपंच इस फैसले से नाराज हैं और वे सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। दूसरी ओर सरकार से वार्ता के बाद कई मांगें मान ली गई हैं और जो अधूरी हैं उसे पूरी करने की मांग को लेकर संघ से जुड़े पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और कार्यसमिति के सदस्य आंदोलन जारी रखेंगे।

पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा को पद से हटाने सहित सरपंच संघ की 35 सूत्री मांग को लेकर राजधानी में महापड़ाव डाला था इनमें से कुछ मांगें मानने के बाद, जो मांग केंद्र सरकार से जुड़ी थीं, उसके लिए राज्य सरकार प्रक्रिया अपनाएगी। सरपंच की ओर से एनजीओ की ओर से जांच करवाने की खिलाफत को लेकर सरकार ने आश्वासन दिया कि अब एनजीओ के बजाय पुराने तरीके से ही जांच कराई जाएगी। हालांकि बीएसआर रेट पर पूर्व की तरह होने वाले टेंडर की प्रक्रिया वर्तमान में भी यथावत जारी रखने की मांग पर निर्णय नहीं हुआ है।

अब तक जो मांगे मानी गई हैं, उनके आदेश लिखित में सरपंच संघ मांग रहा है। रविवार को सरपंच संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने आपस में बैठक कर यह तय किया कि महापड़ाव स्थगित कर दिया जाए और 24 अगस्त को वापस जयपुर में एक बड़ा महापड़ाव डाला जाए लेकिन कुछ पदाधिकारी इस फैसले से नाराज होकर कुछ सरपंच बैठक स्थल कर बाहर ही सड़क पर धरने पर बैठ गए।

सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल ने बताया कि आगामी 17 अगस्त को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रखी जाएगी, जिसमें आगामी आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं 24 अगस्त को वापस जयपुर में फिर महापड़ाव होगा। 24 अगस्त को होने वाले महापड़ाव में सरपंचों के साथ ही मनरेगा के कर्मचारी और मेट तक शामिल होंगे। इस दौरान सरपंच पूर्व की तरह अपना कार्य बहिष्कार जारी रखेंगे। हालांकि वर्तमान में मौजूदा प्रदेश पदाधिकारी और कार्यसमिति सदस्य कहां धरना देंगे अभी यह तय नहीं किया गया है क्योंकि प्रशासन की ओर से उसकी स्वीकृति नहीं मिली है। दूसरी ओर नागौर से जुड़े सरपंच चाहते थे कि उनके क्षेत्र में एक बीडीओ को हटा दिया गया था, उसे बहाल किया जाए लेकिन यह मामला कोर्ट में चल रहा है। सरपंच संघ पदाधिकारियों का कहना है कि सभी सरपंच अपनी मांग पत्र को लेकर एकजुट हैं।

उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने 7 जिलों में हुए मनरेगा कार्यों की जांच के लिए कमेटी गठित की थी। इसकी रिपोर्ट आने के बाद मंत्री ने इन 7 जिलों में अनियमितता का आरोप लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि बाड़मेर, नागौर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बीकानेर, झालावाड़ और उदयपुर में 150 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए तक की राशि का काम दिखाया गया जबकि उतना काम धरातल पर हुआ ही नहीं है। मीणा ने यह भी कहा कि मनरेगा में जिस काम का श्रमिकों को पैसा दिया गया वह काम धरातल पर नहीं है सर्वाधिक अनियमितता नागौर और बाड़मेर में हुई। मंत्री के बयान के विरोध में सरपंचों ने जयपुर में महापड़ाव डाला था जो सरकार से वार्ता के बाद अब स्थगित कर दिया गया है।

पूनिया ने किया महारुद्राभिषेक

जयपुर में रॉयल हवेली, स्टेच्यू सर्किल पर श्री शिव महापुराण कथा समिति की ओर से महारुद्राभिषेक कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने महारुद्राभिषेक किया। साथ ही 251 जोड़ों ने भी सामूहिक महारुद्राभिषेक किया। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में मौजूद सभी शिव भक्तों ने हाथों में तिरंगा लेकर हर घर तिरंगा अभियान को बड़े स्तर पर करने का संकल्प लिया।

जयपुर में मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी की कार पानी में डूबी

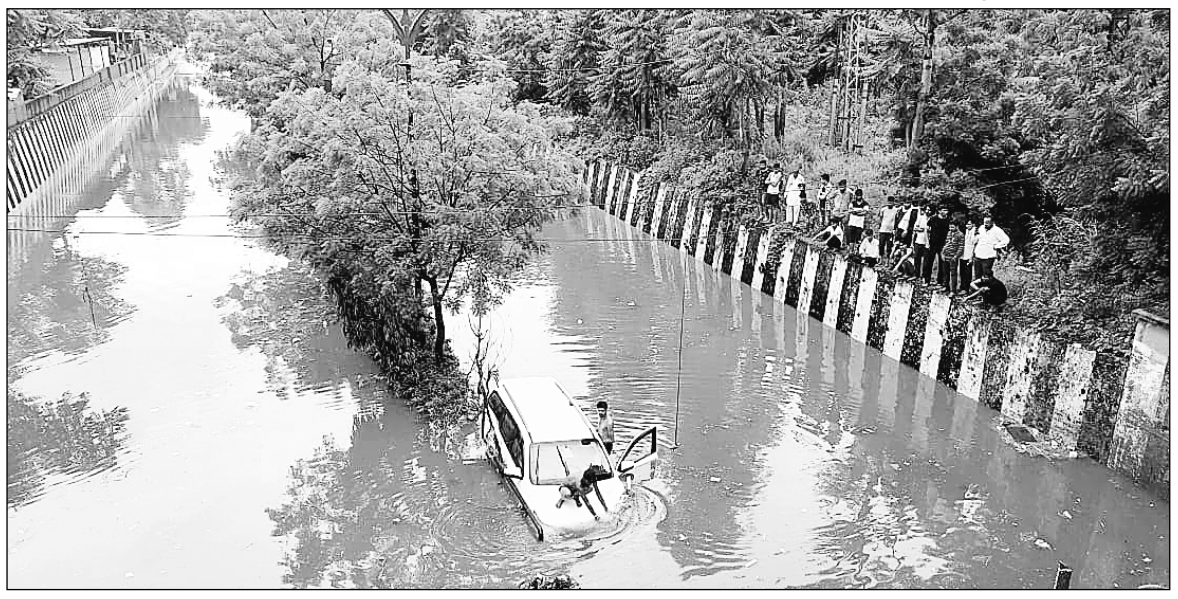

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के कई हिस्सों में रविवार को हल्की से तेज बारिश हुई। इस कारण मालवीय नगर में नंदपुरी अंडरपास में बारिश से पानी भर गया। जहां से गुजर रही मंत्री मुरारी लाल मीणा की बेटी की कार अंडरपास में भरे पानी में डूब गई। बता दें, यह कार मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी निहारिका जोरवाल चला रही थी। निहारिका जोरवाल राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष पद की उम्मीदवार है। मौके पर लोगों ने कार को डूबते देखा तो उन्होंने निहारिका को कार से बाहर निकाल लिया। जिसकी वजह से निहारिका की जान बच गई।

कावड़ यात्रा जैसे प्रतिबंध मोहर्रम पर लगाएं राज्य सरकार : लाहोटी

- **सांगानेर विधायक ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा**
- **'कानून सबके लिए एक समान, मोहर्रम पर डीजे-ढोल व नगाड़ों तथा हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगे'**

जयपुर (कासं)। सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य सरकार ने जैसे सावन के पवित्र माह में कावड़ यात्रा पर प्रतिबंध लगाए, वैसे ही प्रतिबंध अब मोहर्रम पर भी लगाए। लाहोटी ने कहा कि कावड़ यात्रियों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया। डीजे-ढोल व नगाडों पर प्रतिबंध लगाकर पारंपरिक निकलने वाली कावड़ यात्रा व हिन्दू सनातन धर्म के साथ कुठाराघात किया है। 9 जुलाई को मोहर्रम ताजियों के साथ विशेष समुदाय के द्वारा डीजे, सैकड़ों ढोल-नगाडों (जिसकी ध्वनी डीजे से भी कई गुना ज्यादा है) के साथ हजारों की तादात में एक साथ सड़कों पर जुलुस निकाले जाएंगे, इनमें हथियारों का प्रदर्शन व टयूबलाईटें फोड़ने का प्रदर्शन किया जाता है। अब राज्य सरकार इन पर भी रोक लगाए।

विधायक अशोक लाहोटी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र में आगे लिखा कि जैसे कावड़ ले जाने वाले श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कराया, उसी प्रकार मोहर्रम-ताजियों के साथ जुलुस में निकलने वाले लोगो का भी रजिस्ट्रेशन कराये। ढोल-नगाड़ों की संख्या 4/6 की जाए और हथियारों के प्रदर्शन व टयूबलाईटें फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। लाहोटी ने पत्र में आगे लिखा कि सांगानेर में 2 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ की यात्रा निकलने वाली थी, जो कि सैकड़ों वर्षों से निकलती आ रही है, उसकी अनुमति भी जारी हो गई थी। इसके बाद पुलिस प्रशासन के द्वारा पुजारी के परिवार पर दबाव बनाकर निकलने वाली यात्रा को जबरन रूकवाया था। कल हुई सीएलजी की मीटिंग में सांगानेर व्यापार महासंघ समेत कई समाज समुदायों के प्रतिनिधियों ने राखी के त्यौहार के मध्य नजर सैकड़ों ढोल नगाड़ों के साथ ताजिया जुलुस मैन बाजार से निकलने पर कड़ा ऐतराज किया है। कानून सबके लिए एक समान हैं, इस पर विचार कर बहुसंख्यक हिन्दू समाज के साथ न्यासंगत निर्णय करे।

'ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाए'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की सातवीं बैठक में केन्द्र सरकार से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने सहित विभिन्न केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में केन्द्र की आर्थिक सहायता बढ़ाने की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से राज्य का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी 37,000 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिससे पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में लगभग 2 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिल सकेगी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को नव निर्वाचित उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से व्यक्तिगत मुलाकात कर बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उप राष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का कार्यकाल संवैधानिक परंपरा और मूल्यों को और दृढ़ता प्रदान करेगा।

कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की जगह जस्टिफिकेशन ढूंढ रहे हैं : डॉ. पूनिया

- **मुख्यमंत्री बेतुके बयानों से राज्य में बढ़ते रेप के मामलों में अपनी सरकार की नाकामी से बच नहीं सकते हैं : राठौड़**

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बयान देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री राजस्थान में महिला अपराधों पर रोक लगाने एवं न्याय दिलाने में लगातार असफल रहे हैं। कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की जगह वह बढ़ते अपराधों का जस्टिफिकेशन ढूंढ रहे हैं।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि फांसी की सजा के प्रावधान से रेप के बाद हत्या की घटनाओं के बढ़ने को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिया गया बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। मुख्यमंत्री, जो गृह विभाग के मुखिया भी हैं वह बेतुके बयानों से राज्य में बढ़ते रेप के मामलों में अपनी सरकार की नाकामी से बच नहीं सकते हैं। राठौड़ ने कहा कि एनसीआरबी और पुलिस प्रतिवेदन के आंकड़े चीख-चीख कर कह रहे हैं कि राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में देश में पहले पायदान पर है। राजस्थान में हर साल 2000 के करीब बच्चियों से रेप के मामले सामने आते हैं। जनवरी 2020 से जनवरी 2022 तक 4091 केस पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज हुए हैं। राठौड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में नाबालिग से रेप के आरोपियों को फांसी की सजा के प्रावधान का कानून बना था। दुर्भाग्य है कि मासूम बच्चियों से रेप की घटनाओं पर अंकुश लगाने में विफल मुखिया जी अब फांसी की सजा के प्रावधान की ही खिलाफत कर रहे हैं। अगर हिम्मत है तो इस कानून के विरोध में विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आएं तब हम उन्हें माकूल जवाब देंगे। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में प्रतिदिन दुष्कर्म की 16 घटनाएं हो रही हैं और मुख्यमंत्री दुष्कर्म के 48 प्रतिशत मामलों को झूठा बता चुके हैं। मुखिया जी इस प्रकार की बयानबाजी करके बार-बार दुर्दांत बलात्कारियों के मनोबल को तोड़ने की बजाय बढ़ाने का कुकृत्य कर रहे हैं। यक्ष प्रश्न यह है कि जब गृहमंत्री ही रेप के मामलों को झूठा बताकर अपराधियों के लिए रेड कार्पेट बिछाएंगे तो फिर पुलिस की जांच का रूप क्या होगा?

प्रो. छीपा अध्यक्ष बने

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के चुनाव समिति के कार्यालय मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी में संपन्न हुए। प्रोफेसर मोहनलाल छीपा को समिति का अध्यक्ष और प्रतापभानु सिंह शेखावत को महासचिव चुना गया है। निर्वाचन अधिकारी ओंकार सिंह लखावत ने बताया कि राजेंद्र सिंह शेखावत और श्याम सुंदर अग्रवाल उपाध्यक्ष, गजेंद्र सिंह ज्ञानपुरिया कोषाध्यक्ष, नीरज कुमावत सह सचिव निर्वाचित हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद के चरित्र को जीवन में उतारें : मुक्तानंद अग्रवाल

जयपुर, (का.सं.)। रजिस्ट्रार, सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने हमेशा सर्वधर्म समभाव की बात की। उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस भारत के इतिहास के अनोखे व्यक्ति थे। भारत एक आध्यात्मिक देश है। यहां अध्यात्म की कई विचारधाराएं प्रवाहित हुई है।

अग्रवाल रविवार को यहां रामकृष्ण मिशन परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव और स्वामी विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित यूथ कन्वेंशन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के कारण रामकृष्ण परमहंस के बारे में विश्व ने जाना। विवेकानंद ने युवावस्था तक बहुत अध्ययन किया चाहे शास्त्र हो, चाहे दर्शन, अध्यात्म हो। उनमें प्रश्न पूछने की उत्कंठा थी वे एक जिज्ञासु और तार्किक थे, वे सत्य को जानने के लिए तह तक गए।

अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन शक्ति ही जीवन पर आधारित था। उन्होंने भय और निर्बलता का त्याग किया। उन्होंने निर्भयता से जीवन जिया। इसी निर्भयता से पूरे देश का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जैसे साहस व शक्ति की आज देश को जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विवेकानंद का देश के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सीखने के योग्य है। स्वामी विवेकानंद संन्यासी होते हुए संन्यास परंपरा से हट कर अपनी ऊर्जा को देश के लिए लगाया है। उन्होंने कहा कि धर्म दया है, पवित्रता है, साहस है इसके माध्यम से समाज एवं देश का उत्थान किया। उन्होंने आव्हान किया कि स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित को अपने जीवन में उतारे।

वर्षा चारण ने कहा कि हमें हमारी सांस्कृतिक गौरव पर गर्व है। जब ब्रिटिश काल में भारत हीनता के दौर में था, तक विवेकानंद ने समाज में उत्थान व देश में जागरण का बीड़ा उठाया। वे पहले भारतीय थे, जिन्होंने विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उन्होंने भारत भ्रमण एवं विदेशी प्रवास के बाद राष्ट्रवाद की ज्वाला जलाई। स्वामी विवेकानंद के विचारों से स्वराज की नींव पड़ी और हजारों स्वतंत्रता सेनानीयों ने देश को आजाद करने में भूमिका निभाई।

प्रारंभ में रामकृष्ण मिशन के कार्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन एवं वेद पाठ से की गई। अतिथियों ने 21 एवं 24 जुलाई की हुई ड्रॉइंग और निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले 30 छात्र - छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए। रामकृष्ण मिशन, जयपुर के सचिव स्वामी देवप्रबानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रजिस्ट्रार, सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने रविवार को रामकृष्ण मिशन परिसर में स्वामी विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार बांटे।

सबसे बड़े भूमि दानवीर हैं भगवान परशुराम : तिवाड़ी

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने भगवान परशुराम को दुनिया का सबसे बड़ा भूमि दानवीर बताते हुए कहा कि कश्मीर हो चाहे केरल और गोवा जैसा सुंदर समुद्र तट उन्हीं की देन है। तिवाड़ी ने अरुणाचल प्रदेश में विकसित हो रहे देश के पांचवे तीर्थस्थल परशुराम कुण्ड में विप्र फाउंडेशन के योगदान एवं भूमिका की भी सराहना की तथा कहा कि परशुराम कुण्ड क्षेत्र पूरे देश को एक सूत्र में जोड़ने का बड़ा प्रकल्प सिद्ध होगा।

'भारतीय संस्कृति आधारित तंत्र की स्थापना अर्थात स्वतंत्रता'

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि भारत की जो पहचान है, संपूर्ण विश्व में उसको बढ़ाने के लिए स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर जाना होगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र स्थापित करना होगा जो हमारी सभ्यता और संस्कृति अनुकूल हो। स्वांत रंजन रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विद्याधर भाग की ओर से स्वराज-75 स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर विषय पर आयोजित प्रबुद्धजन संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अपने देश में फ्रेंच, डच, पुर्तगाली और अंग्रेज आए। इन्होंने अपनी ताकत के आधार पर भारत का आर्थिक शोषण किया। केवल आर्थिक शोषण ही नहीं, जो ईसाई देश थे, वहां की इसाई मिशनरियों ने इन ताकतों का सहयोग लेकर बड़े पैमाने पर हिन्दू समाज का मतांतरण किया। उन्होंने कहा कि तुर्क, पठान व मुगलों ने भी भारत को लूटने के लिए अनेक आक्रमण किए और तलवार के जोर पर धार्मिक स्थानों को लूटा, महिलाओं का शीलभंग किया और बड़े पैमाने पर मतांतरण किया। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति के माध्यम से ऐसे लोगों को तैयार करना चाहते थे जो रक्त मांस से भारतीय हो लेकिन विचार व्यवहार से पश्चिमी हो। अंग्रेजों के आगमन से पूर्व भारतीय समाज शत प्रतिशत शिक्षित था। भारत में 5 लाख स्वायत्त विद्यालय थे, जिनमें बिना जातिभेद व लिंगभेद के अध्ययन, अध्यापन का कार्य होता था। लेकिन अंग्रेजों ने भारतीय शिक्षा तंत्र को नष्ट कर अपनी शिक्षा पद्धति हम पर थोपी। स्वाधीनता के बाद वामपंथियों व कम्युनिस्टों ने उस शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर बनाए रखा।

प्रदेश में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी छह सौ नए संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

- **पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 176 संक्रमित जयपुर में और 109 रोगी अलवर में पाए गए हैं**
- **करोना से झालावाड़ में एक मरीज की मौत हुई है।**

जयपुर। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी 600 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें जयपुर और अलवर में सौ से अधिक मामले पाए गए हैं। वहीं इस बीच झालावाड़ में करोना से एक मरीज की मौत भी हो गई है।

प्रदेश में रविवार को 24 जिलों में 600 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले शनिवार को भी इतनी ही संख्या में रोगी मिले थे। राज्य में आज 16 हजार 323 जांचे की गई। इनमें जयपुर में 2393 जांचे हुई। इधर राज्य में सबसे ज्यादा 176 जयपुर और 109 नए संक्रमित अलवर जिले में मिले हैं। इसके अलावा उदयपुर व नागौर में 38-38, जोधपुर में 37, चित्तौड़गढ़ में 34, अजमेर में 31, भरतपुर व दौसा में 25-25, धौलपुर में 16, कोटा में 13, डूंगरपुर में 11, भीलवाड़ा में 10, जैसलमेर व सिरोही में 7-7, झालावाड़ में 5, सीकर व बीकानेर में 4-4, बारां में 3, बूंदी व जालौर में 2-2 तथा बांसवाड़ा, बाड़मेर और हनुमानगढ़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है। बूंदी जिले में करीब छह महीने बाद नए संक्रमित मिले हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में केवल 177 मरीज ही ठीक हुए हैं। राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 3438 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1173 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा उदयपुर में 287, अलवर में 278 और जोधपुर में 236 लोगों का इलाज चल रहा है।

राज्य में रविवार को करोना से झालावाड़ में एक संक्रमित की मौत हो गई है। जिले में अब तक करोना से 209 मौतें हुई है। हालांकि प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9590 लोगों की जान जा चुकी है।

जयपुर में आज 42 जगहों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 35 नए मरीज सांगानेर इलाके में पाए गए हैं। इसके अलावा मालवीय नगर में 20, दुर्गापुरा में 15, मानसरोवर में 10, जगतपुरा में 9, सोड़ाला व वैशाली नगर में 8-8, जवाहर नगर व सांभर में 6-6, विद्याधर नगर में 5, बनीपार्क में 3, आदर्श नगर, बजाज नगर, ब्रह्मपुरी, बस्सी, चाकसू, दूदू, गांधी नगर, झोटवाड़ा, कोटपूतली, लालकोठी, मुरलीपुरा, निर्माण नगर व सिरसी में 2-2 तथा अजमेर रोड, आमेर, बापू नगर, बरकत नगर, गलता गेट, गोपालपुरा, गुर्जर की थड़ी, हवा सड़क, जौहरी बाजार, कालवाड़ रोड, मिलाप नगर, प्रताप नगर, फागी, पुरानी बस्ती, शाहपुरा, टोंक फाटक और शास्त्री नगर में 1-1 नया मरीज मिला है। वहीं 8 संक्रमितों का पता सही नहीं मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 60 मरीज ठीक हुए हैं।